मूल्य-शिक्षा से ही होगा देश और समाज का कल्याण: श्री रामदास तडस

बालकों को मूल्य-शिक्षण से ही देश और समाज की अनेक समस्याओं का समाधान हो सकता है। सिर्फ स्कूली शिक्षा से अनेक जटिलताएँ सुलझने वाली नहीं है। शिक्षा के साथ-साथ विद्या का समावेश आवश्यक है। यह उद्गार व्यक्त करते हुए वर्धा संसदीय क्षेत्र के सांसद माननीय रामदास तडस जी ने विश्वमाता गायत्री सेवा मण्डल के संयोजन में विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के द्वारा बाल-मूल्य शिक्षण हेतु प्रतापनगर कालोनी में चलाये जा रहे कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस कार्यक्रम में वर्धा के अनेक विशिष्ट महानुभाव सम्मिलित थे। योग शिक्षिका श्रीमती नीतू सिंह ने इस अवसर हर घर में मूल्य-शिक्षण हेतु जागरूकता पैदा करने की बात की। पड़े गाँव के सरपंच जी ने इस अवसर अपनी भावभीनी अभिव्यक्तियाँ साझा कीं।

विदित हो कि विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर और बाल मनोवज्ञानिक डा. अरुण प्रताप सिंह और उनकी सहधर्मिणी श्रीमती नीतू सिंह ने प्रताप नगर कालोनी में बच्चों के बीच मूल्य -शिक्षण हेतु एक अनूठा प्रयास शुरू किया है। प्रत्येक रविवार को इस कालोनी में एक पार्क में 20-25 बालक एकत्रित होते हैं और उन्हें मनोवैज्ञानिक विधियों के द्वारा मूल्य-शिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्हें न सिर्फ सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है बल्कि दया, मूल्य, करुणा, प्रेम जैसे अनेक भावों के विकास के लिए भी मनोविज्ञान की अत्याधुनिक शाखा- सकारात्मक मनोविज्ञान की तकनीकों का भी प्रयोग किया जाता है।

इस अवसर पर भाइयों, बहनों और आस-पास के अनेक विशिष्ट जनों ने मिलजुलकर यह आकांक्षा भी व्यक्त की कि मनोविज्ञान विभाग के द्वारा बाल –मूल्य विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जाये।